स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

बिहार दलित विकास समिति, क्षेत्रीय कार्यालय रूकुनपुरा के बैनर तले ग्राम मंझौली फूलवारीशरीफ में एक दिवसीय स्वास्थ्य जागरूकता अभियान की शुरूआत 22 मार्च, 2015 को की गई। सर्वप्रथम संस्था के स्वयंसेवक एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के सहयोग से रविदास टोला एवं मांझी टोला के गलियों को सामूहिक रूप से साफ की गई तथा चूना ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया। तत्पश्चात् सामुदायिक भवन मांझी टोला में सभी लोग जमा हुए। पुनः कमला जी एवं एतवारी जी द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्जवलित कर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम की शुरूआत की गई, जब कि अध्यक्षता श्रीमती कमला जी ने की। जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाई एतवारी जी ने कहा कि गंदगी के कारण हमें कई बीमारियों का सामना करना पड़ता है। अपने घर तथा आस-पास साफ-सुथरा रखने से बीमारी में बहुत कमी आयेगी, क्योंकि गरीब परिवार के कमाई का आधा हिस्सा बीमारी के कारण दवा में खर्च हो जाता है। साफ-सफाई में जागरूकता के साथ-साथ शिक्षा के प्रति भी जागरूक होना है, तभी हम स्वच्छ समाज बना सकते हैं।

प्रभारी ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना भी अति आवश्यक है। अभी सरकार द्वारा B.P.L. परिवारों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना की शुरूआत की गई, जिसमें पति-पत्नी और 3 आश्रितों को सालाना 30,000 (तीस हजार) रूपये तक स्वास्थ्य बीमा की व्यवस्था है। फरवरी माह से स्मार्ट कार्ड बनना शुरू हो गया है, जिसमें 30000 (तीस हजार) रूपये तक निःशुल्क इलायज होगा। कई और अन्य स्वास्थ्य

योजनाएँ हैं, जिनका हमें लाभ उठाना चाहिए। उत्प्रेरक प्रताप पासवान ने संबोधित करते हुए कहा कि HIV/AIDS जानलेवा बीमारी है। लोग बाहर रोजगार की तलाश में जाते हैं और क्षणिक आनन्द के लिए असुरक्षित यौन संबंध बनाते हैं और तोहफा के रूप में HIV/AIDS लेकर आ जाते हैं और दूसरों में भी फैलाते हैं, जिसके कारण पूरा परिवार बर्बाद हो जाता है। सभी को HIV/AIDS क्या है, रोग, प्रतिरोधक क्या है, मानव शरीर में HIV/AIDS क्या होता है, HIV/AIDS का छोटा बड़ा-लक्षण, बचाव के उपाय एवं HIV/AIDS की जांच कैसे एवं कहाँ होती है इन सब की जानकारी रखना अवश्य है। अध्यक्षीय भाषण देते

हुए श्रीमती कमला जी बोली कि सिजनल बीमारी के कारण भी हमलोग परेशान रहते हैं, सावधानी बरतने से काफी हद तक हमलोग बच सकते हैं । अभी वर्तमान में कई प्रदेशों में स्वाईन फ्लू से सैकड़ों मरीजों की जान चली गई। बिहार में भी इसकी शुरूआत हो गई है। उसके लिए हमलोगों को भी सावधान रहने की जरूरत है। मुख्य रूप से इसका लक्षण तेज बुखार, खाँसी, दर्द, ठंढ़ लगना, छींक आना, सिर में दर्द, गला बैठना, छाती में भारीपन एवं साँस लेने में कठिनाई होती है। इन सबसे बचने के लिए खाँसते या छींकते समय अपने मुँह और नाक पर रूमाल या कपड़े से अवश्य ढ़के। हाथों को साबुन एवं पानी से हमेशा साफ रखें। पानी खूब पीये एवं पूरी नींद ले। सार्वजनिक जगहों पर न थूकें। इनके अलावे समूह के सदस्या श्रीमती बिमला देवी एवं ग्रामीण विश्वनाथ रविदास ने भी संबोधित किया। स्वास्थ्य जागरूकता अभियान में लगभग 100 महिला और पुरूषों ने भाग लिया।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन ग्रामीण युवा अजय कुमार ने की तथा संकल्प लिया कि हमलोग हमेशा साफ-सफाई पर घ्यान देगें। इसी के साथ स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम की समापन की गई।

रिपोर्टः श्री राधा मोहन